हिन्दी

Matriculation/Secondary

Code-301

भारत एक बहुभाषी देश है जिसमें बहुत–सी भाषाएं रची–बसी हैं। भाषिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भिन्न होने के बावजूद भारतीय परंपरा में बहुत कुछ ऐसा है जो एक–दूसरे को जोड़ता है। यही कारण है कि मातृभाषा के रूप में अलग भाषा को पढ़ने वाला विद्यार्थी जब दूसरी भाषा के रूप में हिन्दी का चुनाव करता है तो उसके पास अभिव्यक्ति का एक दृढ़ आधार पहली भाषा के रूप में पहले से ही मौजूद होता है। इसीलिए छठी से आठवीं कक्षा में सीखी हुई हिंदी का विकास भी वह तेजी से करने लगता है। आठवीं कक्षा तक वह हिंदी भाषा में सुनने, पढ़ने, लिखने और कुछ–कुछ बोलने का अभ्यास कर चुका होता है। हिंदी की बाल पत्रिकाएं और छिटपुट रचनाएं पढ़ना भी अब उसे आ गया है। इसीलिए जब वह नवीं, दसवीं कक्षा में हिंदी पढ़ेगा तो जहां एक ओर हिंदी भाषा के माध्यम से सारे देश से जुड़ेगा वहीं दूसरी ओर अपने क्षेत्र और परिवेश को हिंदी भाषा के माध्यम से जानने की कोशिश भी करेगा क्योंकि किशोर वय के इन बच्चों के मानसिक धरातल का विकास विश्व–स्तर तक पहुंच चुका होता है।

शिक्षण उद्देश्य

- दैनिक जीवन में हिंदी में समझने–बोलने के साथ–साथ लिखने की क्षमता का विकास करना।
- हिंदी के किशोर–साहित्य, अखबार व पत्रिकाओं को पढ़कर समझ पाना और उसका आनंद उठाने की क्षमता का विकास करना।
- औपचारिक विषयों और संदर्भों में बातचीत में भाग ले पाने की क्षमता का विकास करना। हिंदी के ज़रिये अपने अनुभव संसार को लिखकर सहज अभिव्यक्ति कर पाने में सक्षम बनाना।
- संचार के विभिन्न माध्यमों (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक) में प्रयुक्त हिंदी के विभिन्न रूपों को समझने की योग्यता का विकास करना।
- कक्षा में बहुभाषिक, बहुसांस्कृतिक संदर्भों के प्रति संवेदनशील सकारात्मक सोच बनाना।
- अपनी मातृभाषा और परिवेशगत भाषा को साथ रखकर हिंदी की संरचनाओं की समझ बनाना।

व्याकरण के बिंदु

कक्षा X

- शब्द, पद और पदबंध में अंतर
- मिश्र और संयुक्त वाक्यों की संरचना और अर्थ, वाक्य रूपांतरण
- शब्दों के अवलोकन द्वारा संधि की पहचान, कुछ और उपसर्गों, प्रत्ययों और समास शब्दों की पहचान और उनके अर्थ का अनुमान
- मुहावरों और लोकोक्तियों का अंतर और उनका प्रयोग
- वाक्य के स्तर पर पर्यायवाची, विलोम और अनेकार्थी शब्दों का सुचिंतित प्रयोग?

एक प्रश्नपत्र **समय -** **पूर्णांक 100**

(क)	अपठित गद्यांश	20
(ख)	रचना	10
(ग)	व्यावहारिक–व्याकरण	20
(घ)	पाठ्य–पुस्तक (स्पर्श भाग–2)	40
	पूरक–पुस्तक (संचयन भाग–2)	10

खण्ड - क - अपठित गद्यांश-बोध 20

1. (i) लगभग 300 से 400 शब्दों का एक गद्यांश 12
2. (ii) लगभग 200 से 300 शब्दों का एक वाक्यांश 8

उपर्युक्त गद्याशों पर शीर्षकों का चुनाव, विषय–वस्तु का बोध और भाषिक विशेषताओं पर अति लघुत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड - ख - रचना 10

3. (i) पत्र–लेखन (औपचारिक पत्र) 5
4. (ii) अनुच्छेद–लेखन : संकेत बिन्दुओं पर आधारित सम–सामयिक विषयों पर 5

खण्ड - ग - व्यावहारिक - व्याकरण 20

5. (i) शब्द, पद और पदबंध में अंतर, पद परिचय 4
6. (ii) मिश्र और संयुक्त वाक्यों का रूपांतरण 4
7. (iii) स्वर संधि, तत्पुरुष और कर्मधारय समास (2+2) 4
8. (iv) मुहावरों, और लोकोत्यिों का प्रयोग–पाठ्य पुस्तक पर आधारित (2+2) 4
9. (v) अशुद्ध वाक्यों का शोधन 4
   - ने की अशुद्धियां
   - क्रम की अशुद्धियां

खण्ड - घ - पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पुस्तक 50

- **पाठ्य-पुस्तक : स्पर्श भाग-2** **20 + 20 = 40**

10.	(i)	दो में से एक काव्यांश पर आधारित अर्थ–ग्रहण के प्रश्न	6
11.	(ii)	कविताओं के विषय–बोध और सराहना पर आधारित	9
12.	(iii)	कविताओं के प्रतिपाद्य / संदेश से संबंधित प्रश्न	5
13.	(iv)	दो में से एक गद्यांश पर अर्थ–ग्रहण संबंधी प्रश्न	6
14.	(v)	गद्य–पाठों के विषय–बोध पर आधारित प्रश्न	9
15.	(vi)	गद्य–पाठों के विषय–बोध पर आधारित प्रश्न	5

पूरक - पुस्तक, संचयन भाग 2 10

16.	(i)	बहुविकल्पी प्रश्न

निर्धारित पुस्तकें :

1. **स्पर्श - भाग 2** एन.सी.ई.आर.टी द्वारा प्रकाशित
2. **पूरक पुस्तक, संचयन-भाग 2** एन.सी.ई.आर.टी द्वारा प्रकाशित

NATIONAL BOARD OF SCHOOL EDUCATION
राष्ट्रीय स्कूल शिक्षा बोर्ड
I तमसो मा ज्योतिर्गमय N